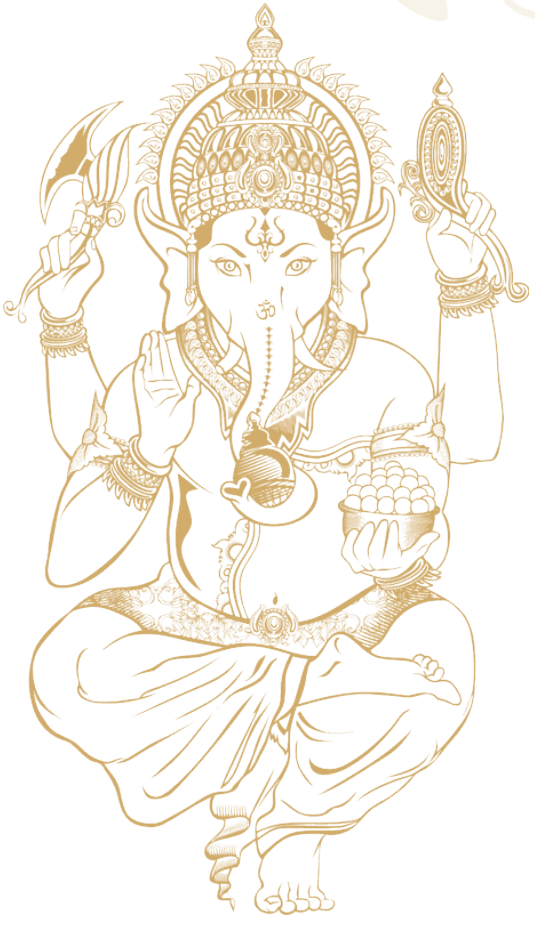

Mansrit

18 Nov 2015

02:35 AM

Jammu

Model: web-freekundliweb

Order No: 121619204

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**17-18/11/2015**
दिन	मंगल-बुधवार
जन्म समय	**02:35:00 घंटे**
इष्ट	48:52:21 घटी
स्थान	**Jammu**
राज्य	Jammu and Kashmi
देश	India

अक्षांश	32:42:00 उत्तर
रेखांश	74:52:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:30:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	02:04:28 घंटे
वेलान्तर	00:15:10 घंटे
साम्पातिक काल	05:50:53 घंटे
सूर्योदय	07:02:03 घंटे
सूर्यास्त	17:28:41 घंटे
दिनमान	10:26:38 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	01:06:51 वृश्चिक
लग्न के अंश	03:58:36 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**श्रवण - 2**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	वृद्धि
करण	गर
गण	देव
योनि	वानर
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	खू-खूबचन्द
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	03:58:36	307:46:01	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	---
सूर्य			वृश्चि	01:06:51	01:00:30	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	मंगल	मित्र राशि
चंद्र			मक	13:33:20	13:27:45	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	राहु	सम राशि
मंगल			कन्या	08:54:25	00:35:54	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	शुक्र	शत्रु राशि
बुध		अ	वृश्चि	01:15:51	01:35:19	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	मंगल	सम राशि
गुरु			सिंह	25:16:51	00:08:25	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	मित्र राशि
शुक्र			कन्या	16:04:41	01:07:08	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	शनि	नीच राशि
शनि		अ	वृश्चि	11:56:24	00:07:02	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	चंद्र	शत्रु राशि
राहु	व		कन्या	05:09:22	00:02:31	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	बुध	मूलत्रिकोण
केतु	व		मीन	05:09:22	00:02:31	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	मूलत्रिकोण
हर्ष	व		मीन	23:04:32	00:01:46	रेवती	2	27	गुरु	बुध	चंद्र	---
नेप	व		कुंभ	12:56:27	00:00:02	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	बुध	---
प्लूटो			धनु	19:36:06	00:01:30	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	---
दशम भाव			मिथु	03:49:43	--	मृगशिरा	--	5	बुध	मंगल	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:04:42

लग्न-चलित

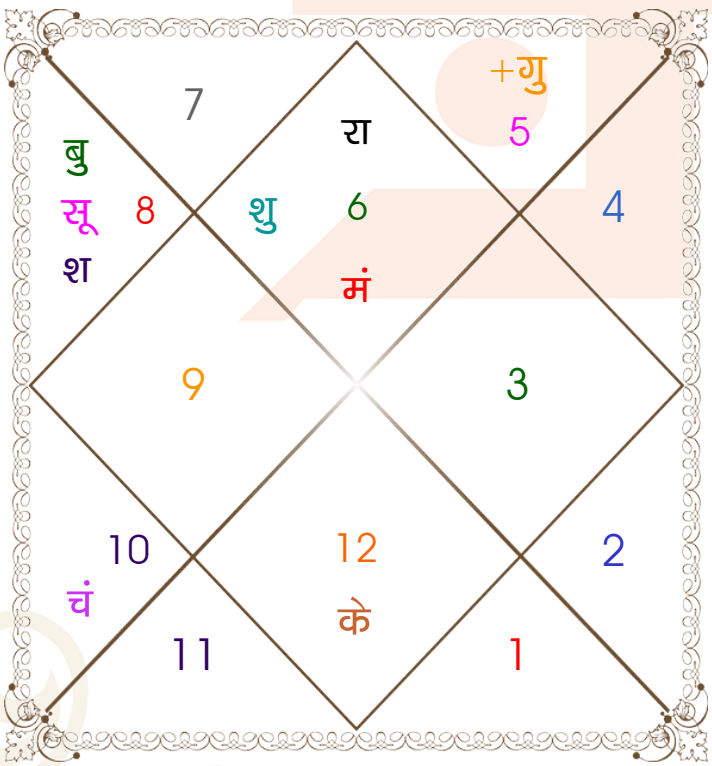

चन्द्र कुंडली

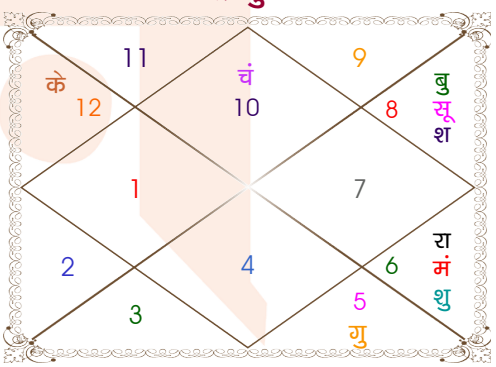

नवमांश कुंडली

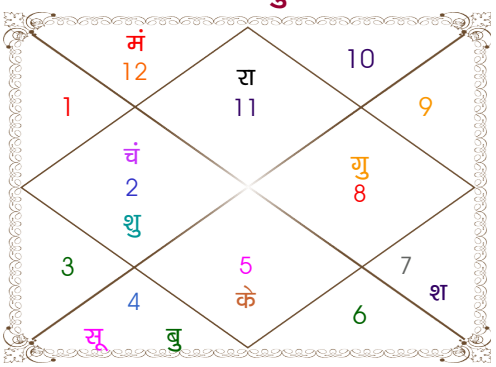

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 7 वर्ष 4 मास 0 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
18/11/2015		19/03/2023		19/03/2030		18/03/2048		18/03/2064	
19/03/2023		19/03/2030		18/03/2048		18/03/2064		19/03/2083	
	00/00/0000	मंगल	15/08/2023	राहु	29/11/2032	गुरु	07/05/2050	शनि	22/03/2067
	18/11/2015	राहु	02/09/2024	गुरु	25/04/2035	शनि	17/11/2052	बुध	29/11/2069
राहु	17/02/2016	गुरु	09/08/2025	शनि	01/03/2038	बुध	23/02/2055	केतु	08/01/2071
गुरु	18/06/2017	शनि	17/09/2026	बुध	17/09/2040	केतु	30/01/2056	शुक्र	10/03/2074
शनि	17/01/2019	बुध	15/09/2027	केतु	06/10/2041	शुक्र	30/09/2058	सूर्य	20/02/2075
बुध	18/06/2020	केतु	11/02/2028	शुक्र	05/10/2044	सूर्य	19/07/2059	चंद्र	20/09/2076
केतु	17/01/2021	शुक्र	12/04/2029	सूर्य	30/08/2045	चंद्र	17/11/2060	मंगल	30/10/2077
शुक्र	17/09/2022	सूर्य	18/08/2029	चंद्र	01/03/2047	मंगल	24/10/2061	राहु	05/09/2080
सूर्य	19/03/2023	चंद्र	19/03/2030	मंगल	18/03/2048	राहु	18/03/2064	गुरु	19/03/2083

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
19/03/2083		19/03/2100		20/03/2107		20/03/2127		20/03/2133	
19/03/2100		20/03/2107		20/03/2127		20/03/2133		00/00/0000	
बुध	15/08/2085	केतु	16/08/2100	शुक्र	20/07/2110	सूर्य	08/07/2127	चंद्र	18/01/2134
केतु	12/08/2086	शुक्र	16/10/2101	सूर्य	20/07/2111	चंद्र	06/01/2128	मंगल	19/08/2134
शुक्र	12/06/2089	सूर्य	20/02/2102	चंद्र	20/03/2113	मंगल	13/05/2128	राहु	19/11/2135
सूर्य	18/04/2090	चंद्र	22/09/2102	मंगल	20/05/2114	राहु	07/04/2129		00/00/0000
चंद्र	18/09/2091	मंगल	18/02/2103	राहु	19/05/2117	गुरु	24/01/2130		00/00/0000
मंगल	14/09/2092	राहु	07/03/2104	गुरु	18/01/2120	शनि	06/01/2131		00/00/0000
राहु	03/04/2095	गुरु	11/02/2105	शनि	20/03/2123	बुध	13/11/2131		00/00/0000
गुरु	09/07/2097	शनि	23/03/2106	बुध	18/01/2126	केतु	19/03/2132		00/00/0000
शनि	19/03/2100	बुध	20/03/2107	केतु	20/03/2127	शुक्र	20/03/2133		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 7 वर्ष 3 मा 24 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के तृतीय चरण में, कन्या लग्न में हुआ था। आपके जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर कन्यालग्न के साथ-साथ कुंभ राशि का नवमांश एवं कन्या राशि का ही द्रेष्काण लग्न भी उदित था। उपर्युक्त संयोजनों से यह संकेत प्राप्त हो रहा है कि आपकी प्रवृति धन संग्रह किया जाय, यह विषय महत्वपूर्ण नहीं है। इस प्रवृति को झुकाव का अन्तिम परिणाम क्या होगा। इसका कोई अर्थ नहीं है। अतः यह ज्ञात हो रहा है कि आपका लक्ष्य अपने धन्धों में सफलता प्राप्त करना है। किसी रूप में अपने लक्ष्य की ओर से विमुख हो जाना आपकी अर्कमण्यता प्रमाणित होगा, ऐसा समझते है। वास्तव में वह भगवान आपकी सहायता कर सकते हैं।

मुख्यतया आप अपने जीवन की 28 वें वर्ष की आयु से 31 वें वर्ष की आयु के मध्य पूर्णरूपेण सफल हो सकते हैं। जबकि आप बहुत प्रकार की वस्तुओं का लाभ प्राप्त करेगें। आप अपनी उदारतापूर्वक नीति एवं धनशील प्रवृति के कारण आनन्ददायक जीवन बिताने में सफल होंगे। आपकी आँखे आकर्षक हैं जिसके प्रभाव से आप विपरीत यानि के साथ आनन्द प्राप्त करेंगे। आपको अपनी दुबले पतले शारीरिक आकृति के प्रभाव से अनुकूल लाभ एवं श्रेष्ठता प्राप्त होगा। आपकी आकर्षक आँखे एवं दिलचस्प (बदलाव) हाव-भाव विपरीत यानि के प्राणियों के मध्य लोकप्रिय रहेगा।

आप वणिक प्रवृति के प्राणी है तथा आपका झुकाव व्यवसायिक ही रहेगा। आपके लिए योग्य सेवावृति अथवा व्यवसायों में व्यवसायिक लेखा-जोखा कार्य अथवा लेखा परीक्षण कार्य पसन्द करेंगे। परन्तु आप व्यवसायिक साहसिक कार्य जैसे सट्टेबाजी, शेयर क्रय-विक्रय में अपना धन लगाना चाहेंगे। आप सदैव पूर्ण सचेत रहकर अपनी लागत का किचिंत लाभांश भी निश्चित रूप से प्राप्त करना चाहेंगे। अतः आप अपनी धन राशि की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहेंगे।

आप पूर्ण विद्वान एवं कुशाग्रबुद्धि के पुरूष है। आपकी बुद्धि तीक्ष्ण है एवं आप धन प्राप्ति हेतु, तत्पर रहेंगे। आप किसी भी परिस्थिति में जनसामान्य के साथ वैधानिकता निभाएंगे। जब लोग, सदैव आपकी त्रुटि पूर्ण भूमिका की प्रतिक्रयात्मक आलोचना करेंगे तब आपकी मनोदशा क्षीण एवं दुर्बल हो जाएगी।

आपको इस प्रकार के दृष्टिकोण में बदलाव लाना होगा-अन्यथा आप अनेक व्यक्ति को अपना शत्रु बना लेंगे। इस परिस्थिति में क्या आप उस परिस्थिति का सामना कर सकेंगे संभाल सकेंगे जबकि आपके मित्र और अधिनस्थ कर्मचारी आपको जन सामान्य की नजरों में नीचा दिखाएंगे तथा आप पर घृणित कलंक लगाकर आपके विरूद्ध आनन्दोलन प्रारम्भ कर देंगे।

आप उस समय वैवाहिक बंधन का अर्थ और महत्व के संबंध में पश्चाताप करोगे कि यह बंधन कैसा होता है। इस प्रकार की परिस्थिति प्रायः कन्या राशि गत व्यक्तियों के साथ अति संभाव्य है। क्योंकि वैवाहिक सम्बंध के प्रति सहज ही प्रवृत हो जाना इस राशिगत व्यक्तियों का स्वाभाविक गुण है। परन्तु इस परिस्थिति में विवाह करके नये परीन्दों को घर में लाना, अपनी प्रेमिका के प्रति एवं अपने अभिभावक के प्रति खेलवार करना प्रमाणित होता है। इस

प्रकार इस राशि का प्राणी किसी भी शर्त्त पर पत्नी का गुलाम हो सकता है।

परन्तु आपकी एक अच्छी पत्नी एवं सुव्यवस्थित बच्चे होंगे जो अपने जीवन में पूर्व विकास करेंगे।

आप हृष्ट पुष्ट रह कर अपने स्वस्थ्य जीवन का आनन्द अपनी पूरी आयु भर प्राप्त करेंगे। तथापि आपके लिए उत्तम तो यह है कि आप कुछ संभाव्य रोगादि के प्रति सतर्क रहें, जिसके प्रभाव से आप टायफायड, दस्त रोग, पीठ के दर्द अथवा रक्तचाप जैसी व्याधि का कुप्रभाव आपके जीवन पर पड़ सकता है। आप अपने अत्यधिक भोजन करने की प्रवृति पर कठोर नियंत्रण रखें तथा अतिरिक्त भोजन के रूप में शाकाहार ग्रहण करे। किसी भी परिस्थिति में मध्यपान न करें। अर्थात् शराब आदि नशीली पदार्थों को स्पर्श न करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक का प्रभाव बहुत अच्छा रहेगा। आप अंक 1 एवं 8 अंक सर्वथा परित्याग करे।

आपके लिए रंग लाल, नीला एवं काला रंग है। इसका त्यागकर रंगों में पीला, सूआ पंखी, हरा और सफेद रंग का व्यवहार आपके लिए उत्तम है।